



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 78]

नई दिल्ली, बुध्दिवार, अप्रैल 15, 1976/चैत्र 26, 1898

No. 78]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 15, 1976/CHAITRA 26, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

(PUBLIC NOTICE)

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 15th April 1976

SUBJECT.—*Scheme for exports under O.G.L. 3 of Indian Cotton handloom textiles including readymade garments and made-ups and 'India Items' for export to the U.S.A. during the Quota Year 1st October, 1975 to 30th September, 1976.*

No. 12-ETC(PN)/76.—The Scheme relates to the export of all the categories of cotton handloom textiles including readymade garments, made-ups and 'India Items', from India to the USA for the quota year 1st October, 1975 to 30th September, 1976.

2. Certification in the manner prescribed by the US authorities for the said material to get an entry into that country will be made by the Textiles Committee in respect of all Indian Cotton handloom textiles and by the Textiles Committee and/or All India Handicraft Board in respect of India items.

3. In addition, export of cotton handloom garments are governed by quota restrictions. For the purpose of quota allotment, the shipment period will be divided into two six-monthly periods, i.e. from 1st October, 1975 to 31st March, 1976 and 1st April, 1976 to 30th September, 1976.

4. Exports will be allowed from any port in India.

5. Quotas for cotton handloom readymade garments for shipment during the period from 1st October, 1975 to 30th September, 1976 will be allotted against individual shipments, by the Textiles Committee, Bombay or its Regional Officers, by way of endorsement on the shipping bills on first-come first-served basis. As soon as the ceiling is reached, the Textiles Committee shall stop forthwith the allotment of quotas.

6. All shipments of cotton handloom textiles made during each month from any port in India shall be reported by the exporters concerned to the Textiles Committee, Bombay, by the 10th of the subsequent month.

7. The Textile Commissioner is empowered to frame rules and regulations from time to time *inter-alia* to provide for the conditions to be complied with by an applicant before he would be eligible for quota.

P. K. KAUL,

Chief Controller of Imports and Exports.

बाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1976

विषय.—कोटा वर्ष 1 अक्टूबर, 1975 से 30 सितम्बर, 1976 तक के दौरान खुले सामान्य लाइसेंस 3 के अन्तर्गत तैयार पोशाकों तथा वस्तुओं और 'भारतीय मर्दों' सहित भारतीय सूती हथकरघा वस्त्रों के संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात के लिए योजना।

संख्या 12-ई० टी० सी० (पी एन)/76.—यह योजना कोटा वर्ष 1 अक्टूबर, 1975 से 30 सितम्बर, 1976 तक के लिए तैयार पोशाकों, वस्तुओं और 'भारत मर्दों' सहित सूती हथकरघा वस्त्रों की सभी श्रेणियों के भारत से संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात से संबंधित है।

2. संयुक्त राज्य अमरीका में उक्त सामान की प्रविष्टि करने के लिए वहां के प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित तरीके से प्रमाणन सभी भारतीय सूती हथकरघा वस्त्रों के संबंध में वस्त्र समिति द्वारा और भारत मर्दों के संबंध में वस्त्र समिति और/या अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

3. इसके अतिरिक्त, सूती हथकरघा पोशाकों के निर्यात कोटा प्रतिबन्धों द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं। कोटा आवंटन के अभाव के लिए पोतलदान अर्थात् छः छः माह की दो अवधियों अर्थात् 1 अक्टूबर, 1975 से 31 मार्च, 1976 और 1 अप्रैल, 1976 से 30 सितम्बर, 1976 में विभाजित की जाएगी।

4. भारत के किसी भी पक्ष से निर्यात की अनुमति दी जाएगी।

5. 1 अक्टूबर, 1975 से 30 सितम्बर, 1976 तक की अवधि के दौरान सूती हथकरघा, तैयार पोशाकों के पोतलदान के लिए कोटा वस्त्र समिति, बम्बई या इसके क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा पहले आए सो पहले पाए के आधार पर पोतपरिवहन बिलों पर पृष्ठान्त करके अलग-अलग पोतलदानों के आधार पर आवंटित किये जाएंगे। उच्चतम निर्धारित सीमा पर पहुंचते ही वस्त्र समिति कोटों के आवंटक रोक देगी।

6. भारत के किसी भी पत्तन से प्रत्येक महीने के दौरान किए गए सूती वस्त्रों के सभी पोतलदानों की सूचना सम्बद्ध निर्यातकों द्वारा वस्त्र समिति बम्बई को आगामी महीने की 10 तारीख तक दी जाएगी।

7. कोटे के लिए पात्र बनने से पहले की शर्तों का आवेदक से अनुपालन कराने की व्यवस्था करने के साथ-साथ वस्त्र आयात को समय-समय पर नियम और विनियम बनाने का अधिकार है।

पी० के० कौल,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

